location in furture due to such failure of power.

(1) Installation of one gas turbine plan at Badarpur for emergency power.

(2) Immediate completion of 33KVA line from Lumding via Maibong, Halflong to Cachar to have alternate line all through Assam territory.

(3) Immediate completion of 132 KVA power line from Loktak and Mariani.

& (4) Installation of diesel generating set in Silchar, Karimganj and Mailakadi towns for water supply and emergency, line to hospital etc. I would request the hon. Minister of Power and Energy, and Home Minister to make a statement.

(v) NEED FOR INCREASING PRICE OF SUGARCANE FOR SUGARCANE GROWERS.

श्री कमला मिश्र मधुकर (मोतीहारी): सभापति जी, नियम 377 के अधीन मैं निम्नलिखित सूचना दे रहा हूं :

बिहार एवं उत्तर प्रदेश के गन्ना उत्पादक किसानों के प्रति भयंकर धोखाधड़ी एवं चीनी मिल-मालिकों के प्रति सरकार के आत्म-समर्पण ने गन्ना उत्पादक किसानों में खलबलाहट पैदा कर दी है ।

जगह-जगह सम्मेलन, प्रदर्शन एवं सभाओं के माध्यम से किसानों ने अपने गुस्से का इजहार आरम्भ कर दिया है ।

पिछले साल केन्द्र-सरकार से परामर्श कर के बिहार तथा उत्तर प्रदेश की सरकारों ने गन्ने की कीमत 22 रुपये प्रति क्विंटल की दर से दिलवाई । पंजाब, हरियाणा एवं महाराष्ट्र में गन्ने की कीमत और अधिक रही ।

पिछले साल की कीमत पर किसानों ने गन्ने की खेती एक राष्ट्रीय कर्त्तव्य के रूप में की ताकि चीनी के आम संकट का सामना जनता को न करना पड़े ।

इस बीच खाद, बीज, कीटनाशक दवाएं, डीजल, पैट्रोल, ट्रैक्टर, पम्पिंग सेट आदि किसानों के द्वारा खरीदे जाने वाली सारी चीजों की कीमतों में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है । किसानों का लागत-खर्च 20 प्रतिशत से अधिक बढ़ गया है । ऐसी स्थिति में गन्ने की कीमत में पिछले साल से भी दो रुपये प्रति क्विंटल कम कर देना सरासर अन्याय है ।

मैं केन्द्रीय सरकार का ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूं कि गन्ने की कीमत कम करने से गन्ना उत्पादक किसानों का सरकार की किसान विरोधी नीति से भयंकर विद्रोह होगा । चीनी मिलें बन्द होंगी और उत्पादन की क्षति होगी । यह स्थिति राष्ट्र के लिए हितकर नहीं होगी ।

किसानों के लिए यह भारी क्षोभ का विषय है । यह सरकार की घोषित नीति कि किसानों को लाभकर मूल्य मिले, के खिलाफ है और राष्ट्रद्रोही एवं पूंजीपति प्रेमी है ।

इस में करोड़ों लोगों के जीवन-मान का प्रश्न जुड़ा हुआ है ।

अस्तु, मैं केन्द्र सरकार से मांग करता हूं कि अविलम्ब राज्य सरकारों से सम्पर्क कर के गन्ने की कीमत 30 रुपये प्रति क्विंटल सुनिश्चित कराए ताकि आसन्न किसान विद्रोह को टाला जा सके और चीनी का उत्पादन प्रभावित न हो एवं राष्ट्र की क्षति न हो ।

(vi) NEED FOR TAKING IMMEDIATE RELIEF MEASURES FOR FLOOD-AFFECTED PEOPLE OF GORAKHPUR AND BASTI DISTRICTS OF U. P.

श्री असफाक हुसैन (महाराजगंज) : चयरमैन महोदय, पिछले सितम्बर में घाघरा, राप्ती और उस की सहायक नदियों की बाढ़ से गोरखपुर और बस्ती जिलों में खासतौर से गोरखपुर जिले की फरेन्दा, महाराजगंज तहसील में तबाही हुई। फरेन्दा तहसील के धानी ब्रजमनगंज और मिश्रोलिया ब्लाक की तबाही और बरबादी ने इस क्षेत्र में बाढ़ की तबाही के सारे पिछले रिकार्ड तोड़ दिये। धानी ब्लाक का, रिगौली, पचमा मूसाभार, लुहारपुरवा धानी करखी आदि 80 से अधिक गांवों के अधिकतर मकान जमीन बराबर हो गये। इसी तरह की हालत नौतवां नगर के उस निचले भाग की थी जहां बड़ी संख्या में हरिजन और कमजोर वर्ग के लोग बसते हैं। बाढ़ के पानी ने नौतवां और आस-पास के पच्चीसों गांवों को तबाह और बरबाद कर दिया। महाराजगंज तहसील में पैहरी बांध के टूटने से आस पास के पचासों गांव तबाह हो गये, सड़कें कट गईं, कच्चे पक्के मकान ध्वस्त हो गये, खड़ी फसल बरबाद हो गई। धानी ब्लाक में कुछ दिनों तक एयर फोर्स के हेलीकोप्टर से खाना पहुंचाया गया। कुछ स्थानीय और बाहरी स्वयंसेवी संस्थाओं ने सराहनीय काम किया।

जिन कारीगरों के करघे और सूत रखने और काम करने का स्थान सब तबाह व बरबाद हो गया वह लाचारी और बेबसी की जिन्दगी बिता रहे हैं और उनका भविष्य भी अंधकारमय है। बाढ़ के तबाह व बरबाद यह किसान कारीगर और छोटे व्यवसायी और खेत मजदूर सरकार से इस बात की गारण्टी चाहते हैं कि भविष्य में सरकार ऐसे ठोस कदम उठायेगी जिससे इस प्रकार की तबाही का सामना फिर न करना पड़े। जिनका मकान ध्वस्त हो गया है उनको सिर छिपाने की व्यवस्था युद्ध स्तर पर करनी होगी ताकि जाड़े में उनको सिर छिपाने की जगह मिल सके। सरकार को इस पूरे क्षेत्र के स्थाई पुनर्वास के लिए तत्काल सभी आवश्यक कदम उठाने चाहिएं ताकि इन तबाह और बरबाद लोगों को अपनी दस्तकारी, खेती फिर से आरम्भ करने का अवसर मिल सके।

लगातार आने वाली बाढ़ से जो कि घाघरा, राप्ती एवं उसकी सहायक नदियों द्वारा नुकसान हर साल किया जाता है, को देखते हुए भारत सरकार को इस बारे में कोई स्थाई उपाय करना चाहिए। सरकार को इस बारे में नेपाल से समझौते के इन्तजार के बिना ही राप्ती नदी पर एक बांध बनाना चाहिए।

[شری اشفاق حسین (مہاراج گنج):

چیئرمین مہودے - پچھلے ستمبر میں گھاگرا - راپتی اور اس کی سہایک ندیوں کی باڑھ سے گورکھپور اور بستی ضلعوں میں خاص طور سے گورکھپور ضلع کی فریندا مہاراج گنج تحصیل میں تباہی ہوئی - فریندا تحصیل کے گھانی برج من گنج اور مشرولیا بلاک کی تباہی اور بربادی نے اس چھیتر میں باڑھ کی تباہی سے سارے پچھلے ریکارڈ توڑ دئے - گھانی بلاک کا رنگالی پچما موسی بھار لوہار پوروا کا کا گھانی کرکھی آدی ۸۰ سے ادھک گاؤں کے ادھکتر مکان زمین برابر ہو گئے - اسی طرح کی حالت نوتواں نگر کے اس نچلے بھاگ کی تھی جہاں بڑی سنکھیا میں ہریجن اور کمزور ورگ کے لوگ بستے ہیں - باڑھ کے پانی نے نوتواں اور آس پاس

کے پچھیسوں گاؤں کو تباہ اور برباد کر دیا - مہاراج گنج تحصیل میں پیپھری باندھ کے ٹوٹنے سے آس پاس کے پچاسوں گاؤں تباہ ہو گئے سڑکیں کٹ گئیں کچے پکے مکان دھوست ہو گئے کھڑی فصل برباد ہو گئی - گھانی بلاک میں کچھ دنوں تک ایئر فورس کے ہیلی کوپٹر سے کھانا پہنچایا گیا - کچھ استھانیے اور باہری سویم سیوی سنستھاؤں نے سراہنیے کام کیا -

جن کاریگروں کے کرگھے اور سوت وکھلے اور کام کرنے کا استھان سب تباہ و برباد ہو گیا وہ لاچاری اور بے کسی کی زندگی بتا رہے ہیں اور ان کا بھوشیہ بھی اندھکارمے ہے - باڑھ سے تباہ و برباد یہ کسان کاریگر اور چھوٹے ویوسائے اور کھیت مزدور سرکار سے اس بات کی گارنٹی چاہتے ہیں کہ بھوشیہ میں سرکار ایسے ٹھوس قدم اٹھائیگی جس سے اس پرکار کی تباہی کا سامنا پھر نہ کرنا پڑے - جن کا مکان دھوست ہو گیا ہے ان کو سر چھپانے کی ویوستھا یدھ استر پر کرنی ہو گی تاکہ جاڑے میں ان کو سر چھپانے کی جگہ مل سکے - سرکار کو اس پورے چھیتر کے استھائی پنرواس کے لئے تتکال سبھی آوشیک قدم اٹھانے چاہئے تاکہ ان تباہ اور برباد لوگوں کو اپنی دستکاری کھیتی پھر سے آرمبھ کرنے کا اوسر مل سکے -

لگاتار آنے والی باڑھ سے جو کہ گھاگھرا راپتی ایوں اس کی سہایک ندیوں دوارا نقصان ہر سال کیا جاتا ہے کو دیکھتے ہوئے بھارت سرکار کو اس بارے میں کوئی استھائی اپائے کرنا چاہئے - سرکار کو اس بارے میں نیپال سے سمجھوتے کے انتظار کے بنا ہی راپتی ندی پر ایک باندھ بنانا چاہئے -]

15.37 hrs.

CINE-WORKERS AND CINEMA THEATRE WORKERS (REGULATION OF EMPLOYMENT) BILL—Contd.

MR. CHAIRMAN: We now take up legislative business. We take up further consideration of the Cine-Workers and Cinema Theatre Workers (Regulation of Employment) Bill.

Shri Daga.

श्री मूलचन्द डागा (पाली) : सभापति जी, इस बार विज्ञान भवन में मैंने किसी पिक्चर को देखा था। वह बड़ी हृदय को छूने वाली पिक्चर थी। उसके बारे में उसकी महिला निर्देशिका साई परांजपे ने यह बात सही कही थी कि मैं फिल्मों के माध्यम से और फिल्मों की भाषा से लोगों तक पहुंचना चाहती हूं। फिल्मों की भाषा से और माध्यम से लोगों तक आसानी से पहुंचा जा सकता है।

सिनेमा क्या कर सकता है ? सिनेमा किसी की भी मुर्झाई जिन्दगी में जान फूंक सकता है। मैंने भी फिल्मों को देखा है और विज्ञान भवन में मैंने देखा है कि वहां ज्यादातर लोग बूढ़े आते हैं। मैं